कंकर कंकर बना है शंकर माँ तेरे प्रताप से नर्मदा भजन लिरिक्स

कंकर कंकर बना है शंकर,
माँ तेरे प्रताप से,
दरस तेरा भक्तों को छुड़ाए,
जीवन के हर ताप से,
हर हर नर्मदे हर,
हर हर नर्मदे हर।bd।

कल कल करके बहती,
जाए मां रेवा,
संत मुनि सब करते,
मां तेरी सेवा,
छाती तोड़ पर्वतों की तू,
बहती जाए चाव से,
दरस तेरा भक्तों को छुड़ाए,
जीवन के हर ताप से,
हर हर नर्मदे हर,
हर हर नर्मदे हर।bd।

कोई समझ न पाए,
तेरी गति न्यारी,
बूंद बूंद से सींचे,
जीवन की क्यारी,
संग तुझे न भाए किसी का,
बहती जाए चाव से,
दरस तेरा भक्तों को छुड़ाए,
जीवन के हर ताप से,
हर हर नर्मदे हर,
हर हर नर्मदे हर।bd।

चली अमरकंटक से,
तेरी अमर कहानी,
अमृत बन के बहता,
मां तेरा पानी,
पाप सभी मिट जाते हैं,
मां रेवा तेरे नाम से,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

दरस तेरा भक्तों को छुड़ाए,
जीवन के हर ताप से,
हर हर नर्मदे हर,
हर हर नर्मदे हर।**bd।**

कंकर कंकर बना है शंकर,
माँ तेरे प्रताप से,
दरस तेरा भक्तों को छुड़ाए,
जीवन के हर ताप से,
हर हर नर्मदे हर,
हर हर नर्मदे हर।**bd।**

रचनाकार एवम् गायक – मनोज कुमार खरे।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com